**Seventeenth Loksabha**

>

Title: Need to establish Tanda Development Board for the development of nomadic/Banjaras villagers and establishment of Central University to preserve the culture and language of Banjara Samaj in Uttar Pradesh.

**श्री अजय मिश्र टेनी (खीरी):** अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूं । मेरे लोक सभा क्षेत्र लखीमपुर खीरी सहित उत्तर प्रदेश के 32 जिले में एवं पूरे देश में हिंदू बंजारों की संख्या कई लाख है, जो आजादी के बाद से लगातार अपने अधिकारों, भाषा व संस्कृति की रक्षा हेतु संघर्ष कर रहे हैं । इनके सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक उत्थान एवं राजनैतिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए मैं आपके माध्यम से सरकार से यह मांग करता हूं कि बंजारा समाज के निवास स्थान, जिनको आम तौर पर नगला, टांडा, डेरा आदि कहा जाता है, बंजारा समाज में एक तरह से इनकी संरचना टांगिया वनगांवों की तरह होती  है । इनकी भाषा को ग्वार कहा जाता है । इनकी संस्कृति और भाषा की रक्षा के लिए केंद्रीय विश्वविद्यालय के निर्माण व नगला, टांडा आदि को वनटांगिया के निवासियों की तर्ज पर राजस्व गांवों का दर्जा देते हुए उक्त गांवों के विकास हेतु टांडा विकास बोर्ड की स्थापना की जाए ।

**माननीय अध्यक्ष :** श्रीमती रेखा वर्मा को श्री अजय कुमार द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।